भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या – 2079

दिनांक 31.07.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारत और जापान के बीच समझौते

2079. **श्री ए. राजा:**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) हाल ही में जापान के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग के क्षेत्रों के विस्तार के संबंध में हस्ताक्षरित समझौतों/अनुबंधों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या ऊर्जा सुरक्षा, एआई कौशल और डिजिटल अवसंरचना सहित समझौतों को भी अंतिम रूप दिया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क–ख) प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर जापान की प्रधानमंत्री श्रीमती सानाए ताकाइची ने 1–3 जुलाई, 2026 तक भारत की आधिकारिक यात्रा की। इस यात्रा के दौरान दोनों पक्षों के बीच महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकियों, ऊर्जा सुरक्षा, एआई कौशल और डिजिटल अवसंरचना के क्षेत्रों में कई सहयोग ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अतिरिक्त, दोनों पक्ष आर्थिक सुरक्षा, ऊर्जा सुदृढ़ता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त वक्तव्यों पर सहमत हुए। सहयोग ज्ञापनों और संयुक्त वक्तव्यों का विवरण **अनुबंध – 'क'** में दिया गया है।

अनुबंध 'क'

शीर्षक	क्षेत्र	विवरण
आर्थिक सुरक्षा पर संयुक्त घोषणा	आर्थिक सुरक्षा	सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, एआई सहित सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा और फार्मास्युटिकल्स (औषधि) जैसे प्रमुख क्षेत्रों में संयुक्त सुदृढ़ता को बढ़ाने के लिए परियोजना–आधारित सहयोग को बढ़ावा देता है। भारत–जापान फैक्ट शीट 2.0 इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में बढ़ते भारत–जापान जी 2 जी और बी 2 बी जुड़ाव को दर्शाती है।
कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में सहयोग पर संयुक्त वक्तव्य	कृत्रिम बुद्धिमत्ता	एआई क्षेत्र में भारत–जापान संबंधों को एक रणनीतिक अनुसंधान एवं विकास साझेदारी के रूप में उन्नत करता है। भारत–जापान एआई पहल को आगे बढ़ाते हुए, यह संयुक्त वक्तव्य सुरक्षित, विश्वसनीय, समावेशी और मानव–केंद्रित एआई के साझा दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए संपूर्ण एआई प्रौद्योगिकी स्टैक में अधिक सहयोग के लिए एक रोडमैप प्रदान करता है।
ऊर्जा सुदृढ़ता पर संयुक्त वक्तव्य	ऊर्जा	कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के लिए रणनीतिक भंडारण और आरक्षित तंत्र में सहयोग को मजबूत करता है। समुद्री ऊर्जा परिवहन मूल्य श्रृंखला में संयुक्त निवेश के माध्यम से सहयोग को बढ़ावा देता है।
भारत–जापान सहकारी बायोगैस फॉर ग्रोथ पहल के	ऊर्जा	डेयरी सहकार समितियों के व्यापक नेटवर्क का उपयोग करते हुए, पूरे भारत में 1,000 बायोगैस और जैविक उर्वरक संयंत्र स्थापित करने के लक्ष्य की दिशा में सहयोग को बढ़ावा

लिए सहयोग ज्ञापन		देता है।
बैटरी के क्षेत्र में सहयोग ज्ञापन	ऊर्जा	एक विश्वसनीय, सुदृढ़ और स्थायी बैटरी आपूर्ति श्रृंखला बनाने के उद्देश्य से बैटरी से संबंधित परियोजनाओं में सहयोग को बढ़ावा देता है और व्यावसायिक अवसरों का विस्तार करता है।
फार्मास्युटिकल्स और चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में सहयोग ज्ञापन	फार्मास्युटिकल्स	द्विपक्षीय निवेश और व्यावसायिक संबंधों, तकनीकी सहयोग और उद्योग–अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देकर एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स और की स्टार्टिंग मैटेरियल्स सहित दवा आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करता है।
जनरेटिव एआई एक्सेलेरेटर चैलेंज पर सहयोग ज्ञापन	कृत्रिम बुद्धिमत्ता	बी 2 बी मैचमेकिंग, एआई नीतियों एवं चुनौतियों पर वेबिनार और कंप्यूटिंग संसाधनों तक पहुंच के माध्यम से संयुक्त परियोजनाओं के समर्थन के जरिए इंडिया–एआई मिशन और जापान की जीईएनआईएसी पहल के बीच संस्थागत सहयोग को बढ़ावा देता है।
भूविज्ञान और खनिज अन्वेषण के क्षेत्र में सहयोग ज्ञापन	खनिज संसाधन	तकनीकी विशेषज्ञता के आदान–प्रदान के माध्यम से अपस्ट्रीम महत्वपूर्ण खनिजों की खोज में सहयोग को मजबूत करता है।

*****